कार्यालय
क्षेत्र संचालक, पन्ना टाईगर रिजर्व, पन्ना (म० प्र०)
Phone No. +917732-252135 (O) Fax, +917732-252120
E-mail: fdptr@rediffmail.com Website: www.pannatigerreserve.in

प्रेस नोट

पन्ना बाघ पुर्नस्थापना में बाघों को ''जंगली'' बनाने का नया आयाम

कान्हा टाईगर रिजर्व के कान्हा परिक्षेत्र में वर्ष 2005 के माह मई के अन्तिम सप्ताह में एक बाघिन को 3 शावकों को जन्म दिया था। परन्तु उक्त बाघिन 4.6.2005 को कान्हा में मृत पाई गई थी। उस वक्त शावकों की उम्र 15 दिन की थी। तीन शावकों म एक नर एवं दो मादा थे। खोज करके इन तीनों शावकों को कान्हा लाया गया था। दिनांक 16.9.2005 से इन्हें मुक्की में स्थित क्वारनटाइम्न हाउस में रखा गया। 17.2.2008 को बाघ के शावकों को कान्हा टाईगर रिजर्व के गोरेला मैदान में स्थित 7 हेक्टर के एक इन्क्लोजर में रखा गया था। दिनांक 15.5.2008 को नर बाघ को वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल स्थानान्तरित कर दिया गया। इस अवधि में उन्हें धीरे–धीरे प्राकृतिक किल करने की पद्धति सिखाया गया जहां पर वे दिनांक 25.10.2010 की स्थिति में 344 चीतल का शिकार कर चुको है।

उपरोक्त दोनों बाघिनों को एक योजना बना कर पन्ना टाईगर रिजर्व में जंगली बनाने के साथ–साथ पन्ना टाईगर रिजर्व की बाघ पुर्नस्थापना के फाउण्डर टाईगर पापुलेशन के रूप में दिनांक 6.12. 2010 को मुक्त करने की योजना है। इस योजना का एक मुख्य उद्देश्य यह भी है कि म.प्र. के जंगलों में किसी प्राकृतिक/अप्राकृतिक कारणबश अनाथ बन गये बाघ के शावकों को दोबारा उनके प्राकृतिक आवास में विचरण करने के विकल्प की खोज की जा सके। पूर्व में इस प्रकार का प्रयोग (बाघों के मामले में) कहीं नहीं हुआ। यह पहला प्रयोग है। इन बाघिना को जंगली बनाये जाने की इस अभिनव पहल मं समस्त आवश्यक तैयारियां के साथ 2 बातों के ऊपर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

1. यह दोनों बाघिनें टाईगर रिजर्व के हैबीटेट में अपना रहवास बना ले एवं वे पन्ना के प्राकृतिक वनों में अपने किल को सफलतापूर्वक करते हुए प्राकृतिक भोजन हासिल कर सकें।
2. इन्क्लोजर में इन्हें भोजन दिये जाने के कारण इनके साथ जो कण्डीशनिंग हुई है उससे वे उबर जाय।

इन बातों को ध्यान में रखते हुए भोपाल स्तर पर एवं राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण नई दिल्ली स्तर पर विस्तृत विचार–विमर्श उपरान्त बाघ बाघिनों को जंगली बनाने व पुनः प्राकृति जंगलों में पुर्नस्थापित करने हेतु योजना बनाई गई है।

इसके तहत पन्ना टाईगर रिजर्व में विचरण कर रहे बाघ एवं बाघिनों की विष्टा को समय–समय पर कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के इन्क्लोजर में छोड़ा भी गया है जिससे पहले से यह दोनों बाघिनें अपने से भविष्य में मुलाकात करने वाले बाघ बाघिनों का परिचय पहले से हो जाय।

मौके पर हाथी, वन्य प्राणी विशेषज्ञ, पशु चिकित्सक, अनुश्रवण टीमों का गठन किया जा चुका है। अनुश्रवण टीमों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इनके किल करने के तौर तरीके का गहरा अध्ययन भी किया गया है। इन बाघिनों को बोहोश कर रेडियो कालर पहना कर पन्ना टाईगर रिजर्व तक पहुंचाने की जिम्मेदारी क्षेत्र संचालक कान्हा टाईगर रिजर्व की है एवं अनुश्रवण/सुरक्षा के साथ पुर्नस्थापना करने की जिम्मेदारी क्षेत्र संचालक पन्ना टाईगर रिजर्व की है।

ऐसा अनुमान है कि दोनों बाघिन उक्त परीक्षा को सफलतापूर्वक पास करते पन्ना के जंगलों में अपना रहवास बनाने में कामयाब होंगी। म.प्र. वन विभाग, पन्ना टाईगर रिजर्व इन दोनों बाघिनों की पुर्नस्थापना सफल हो, इस दिशा में अपनी ओर से हर प्रयास कर रहा ह।

क्षेत्र संचालक,
पन्ना टाईगर रिजर्व,पन्ना